

कलाकारों का करतब देख दर्शक हुए मुग्ध

PICS: DAINIK JAGRAN-NEXT



● कलाकारों ने लोकनृति से सबको द्वाया.

PRAYAGRAJ (30 Jan): कहीं कठुनूतली का नाच तो कहीं पर लोकनृत्य का कार्यक्रम लोगों को लुभाता रहा, धर्म के सम्पादन संग सांस्कृतिक प्रोग्राम को देख लोग मंत्रमुग्ध रहे, जगह-जगह आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लोग अपेक्षक निहाते रहे, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के साथ तमाम सरकारी व प्राइवेट संस्थाओं के कलाकार एक से बढ़कर एक प्रसन्नति देते रहे, अक्षयवट मंच व भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला मंच पर अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जाड़ का करतब दिखा कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, प्रयागराज के सतरंजय कठुनूतली दल द्वाया प्रस्तुत किए गए कठुनूतली के नृत्य की लोगों ने खबर सराहना की, इस नृत्य के जरिए कलाकार ने धर्म से इहानियों की सीधे देने का अनोखा प्रयास किया, लौप्रोसी मिशन चौराहा और हाथी यार्क कला मंच पर प्रयागराज के संसोधन कुमार ने कजरी होली लोकगीत प्रस्तुत कर समा बाध दिया, वहीं गाजीपुर के मुनील कुमार ने लोकनृत्य से लोगों का मनोरोजन किया, अरेल सेक्टर-19 कला मंच और बल्लभभाई मोड़ कला मंच पर लखनऊ के अवतार मिंह-एंड सुप ने लोकनृत्य प्रस्तुत किया।



● लोकनृत्य ने भी विखंडा समा.



● कठुनूतली का ढंग रहा आर्कण.



● बासुरी गान से मोह लिया मन.

दैनिक जागरण

प्रयागराज, 31 जनवरी 2019 दैनिक जागरण 7

डांडिया और गरबा से सज गई कुंभ की शाम

जास, कुंभनगर : पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बुधवार को भी कुंभ की शाम सजी रही। कुंभ परिसर के पांचों मुख्य मंचों पर देवी-विदेशी कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सेकटर 19 के अश्वयवट मंच पर उजगत के परवीन खाई का डांडिया और गरबा नृत्य देखा गया। इन नृत्यों के बाद बलिया के गोपाल गय की भोजपुरी प्रस्तुति हुई। फिर यमुग के मन्दिर लाल शर्मा ने बुज के लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद श्रीलंका के कलाकारों ने दरशकों को प्रेम और भवित्व के रंगों से सराहा किया। श्रीलंकाई कलाकारों ने कुंभ में भारतीय दरशकों के लिए रामलीला प्रस्तुत किया।

श्रीलंका की यह रामलीला सौर्यवर्त की विश्वविद्यालय कलाकारों द्वारा मौजूदत की गई। सेकटर 19 के सुखरखड़ के सुखरखड़ बंजारे ने पंथी लोकनृत्य किया। प्रतापगढ़ की शिवानी मातृनहीनिया ने लोकगायन प्रस्तुत किया। अपनी गजलों से लखनऊ के गगक कमाल खान ने दर्शकों को वाहवाही लूटी। सेकटर 13 के सरसवाती मंच पर दिल्ली की कीर्ति कले के संयोजन में कवि सम्मलेन का आयोजन हुआ। इसमें सेकटर 19 के यमुना मंच पर कलाकारों की अद्वितीय कविताएँ की उपाधीयायगान हुआ। फिर अहमदाबाद के राजेंद्र गवल की केरवानों वेश नामक प्रस्तुति हुई। केरवानों वेश के बाद यमुग के कलाकार आशीष सिंह ने दर्शकों को विशेष नृत्य दर्शावातार कथक वैले दिखाया। लखनऊ की कलाकार नीरजा श्रीवास्तव का सुगम निंदर, लखनऊ की व्यंजना शूक्रला, उन्नाव की श्रिवंका शुक्रला और लखनऊ



संरक्षकर भारती में पूर्वीतर के कलाकारों की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा रागरंग कार्यक्रम ॥ जागरण

संगीत कार्यक्रम भी प्रसंग किया गया। इसके की सुफलता त्रिपथी प्रमुख रही। इसके अलावा किला चौराहा, अश्वयवट मंच में भग लेने वाले कवियों में वाराविको के सम्मलेन का आयोजन हुआ। इसमें कवि के निकट स्थित कला मंच और भाद्राज मंच के निकट स्थित कला मंच और अमेठी मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड मूप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बैक चौराहा, सिविल लाइस बस स्टॉप और पवर वाला चर्च मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशून ने पार्स डॉल नृत्य प्रस्तुत किया। लखनऊ की कलाकार बीना के लोकगीतों ने सभा बांध दिया।



प्रयागराज, गुरुवार, ३१ जनवरी, २०१९ ३

'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका देखकर दर्शक हुए भावविभोर

प्रयागराज। दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ की परिकल्पना को साकार करने के क्रम में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संस्कृति कुम्भ में बुधवार की शाम महावीर मार्ग स्थित अक्षयवट मंच पर 'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति किया। मेले में आये श्रद्धालुओं को भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपों एवं लीलाओं को प्रस्तुत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति में ४० युवा कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य नाटिका का निर्देशन अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका वंदना श्री ने किया।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

खबरंश चैतना

ગુઠવાર 31 જનવરી 2019



सांस्कृतिक मंचों ने दर्शकों का किया भरपूर मनोरंजन

प्रयागराज (इलाहाबाद): प्रयागराज शहर में स्थित सारस्वती मंदी पर रोने की तरह बुराकों भी कालकारों की सूखे रुका। शहर के सभी 20 मंदिरों पर सारस्वती गतिविधियाँ सुवर्ण रथी औं बड़ा-दीपी खें से उन्हें पूर्ण समर्पण प्राप्त हुआ। किंतु कला-कलां, मंग-अवधार, मन् वर के निकट स्थित कला-मंदिर और भारद्वाज मंबं वर्षे के निकट स्थित कला-मंव अपेक्षी के रथशोभा विश्वासर ने जाक का कार्यक्रम करवाया रुक्षा किया। प्रयागराज के सरावन बहुतीनी दिन ने कल्पतीला का खेल दिया कर दीपों का भूषण मनोरजन किया। कीर्ति इटर्न कैलेंडर कला-मंग, लोपोरी मिशन वारसा कला-मंव और हाथी वार्क कला-मंव पर यागराज के संठेन कुमार ने कंजी

होली लोक गीत प्रस्तुत किया। इसी तरह गायिका के सुनील कुमार ने लोकगीत का प्रस्तुत कर दर्शकों की बाहरी तुली। सफ़रीति ग्राम वौराहा कला-मंच, अरेल सेवदर 19 कला-मंच और वर्लभारती मोड़ कला-मंच और लखनऊ के अवतार सिंह एंटी युवा ने लोकगीत की प्रस्तुति दी। लखनऊ की ही कलाकार नीलम पाठेय के लोकगीतों ने मानोंका का मान मोहित किया। दैर्घ्य वौराहा कला-मंच, सिविल लाइस डासर स्टॉप कला-मंच और पट्टय गिरजाघर कला-मंच पर बादा के कलाकार रामकिशनु ने पाई डंडा युवा प्रस्तुत किया। लखनऊ की कलाकार जिना के लोकगीतों ने समां बौद्धिया, बालसन वौराहा कला-मंच, इंद्रमूर्ति वौराहा कला-मंच और सुयापा

वौराहा कला-मंच पर पांचा, उत्तरप्रदेश के घण्टाल सिंह ने नाटक का यसन बनवा दिया। वहीं कला के कान्हेया कुमार ज्ञा ने अपनी जाति की प्रसुती से महफिल लूट ली। विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राष्ट्रपुर ट्रैफ़िक चौराहा कला-मंच पर दर्शकों ने ग्रीष्मायज के सत्यापनामालीक ने लोक गीत विस्तृत सुना। लखनऊ के नवाबगढ़ सुख राह ने एक नाटक का मानन दिया जिसमें दर्शकों के काफी रुद्र रक्त प्रस्तुत किया। इसके बाहर हाथापाई कला-मंच, सरसवी थाट भी द्वितीय कला-मंच और प्रशासन जंसरेन कला-मंच पर अंग लखनऊ के लोक सांसाक्षण्य के कलाकारों ने लोक गूरु यी की प्रस्तुति दी। इसके मध्यमें कुमार ज्ञा ने कपुष्यतीली का कलाकारम प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

न्यूज़ डायरी

‘ब्रज बाँसुरी’ नृत्य नाटिका
देख दर्शक हुए भावविभोर

प्रयागराज। दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ की परिकल्पना को सकार करने के क्रम में संस्थान विभाग तर प्रदेश द्वारा आयोजित संस्थान कुम्भ में द्विवार की शाम महावीर मासि दिवान अश्वदेव चंग पर छाँज वालीसौं नृत्य नाटिक की भावरपार्ण प्रस्तुति किया। भेल में आये श्रद्धालुओं को भगवान् था के विभिन्न रूपों एवं लीलाओं को प्रस्तुत कर भूमध्य कर दिया। प्रस्तुति में 40 युवा कलाकारों ने भगवान् लिया। नृत्य नाटिकों का निर्देशन अंतर्राष्ट्रीय लोक गायिका दंडना और नैया।

श्रीमती दंदना श्री ने बताया कि इससे पूर्व इस नुस्खे नाटिका की प्रस्तुति देश के विभिन्न राज्यों सहित नेपाल एसाइय करियाए थुट्टान ए दुब्बल ए थरीशन अद्य जाहों पर भी हो चुकी है। इसी क्रम में आये गायादास ए आये राजेश रावल से कौनसा वार्ष बलिया से आये गायाल राय ने भोजपुरी भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

हिन्दुस्तान

तरक़की को चाहिए नया नजरिया

हिन्दुस्तान 06
प्रयागराज • गुरुवार • 31 जनवरी 2019

‘बहुत नीक लागै यह
संगम नगरी..’ पर झूँठे
प्रयागराज। कुम्भ के सेक्टर छह में स्थित
भरद्वाज सांस्कृतिक मंच पर लोक
संगीत की सुर-सरिता में भक्त ढूँढ़े रहे।
संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित
कार्यक्रम में प्रतापगढ़ की ‘यश भारती’
सम्मान से सम्मानित कलाकार डॉ.
शिवानी मातनहेलिया ने लोकगीत प्रस्तुत
कर समां बांध दिया। उन्होंने मां गंगा को
समर्पित अवधी गीत ‘दौड़त आवत जहां
दुनिया सगरी, बहुत नीक लागै यह संगम
नगरी..’ गीत से की। साथ ही ‘जय.. जय
भगीरथी नंदिनी.. हे मातु गंगे सरित
पावनी..’ की मोहक प्रस्तुति की।

राष्ट्रीय संहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

लखनऊ | बृहस्पतिवार • 31 जनवरी • 2019

लोकनृत्यों का संगम

पाई डंडा के साथ कठपुतलियों के खेल

प्रयागराज। कुंभ मेले के साथ शहर के भी सांस्कृतिक मंचों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम है। शहर के 20 कला-मंचों के जरिये विभिन्न प्रदेशों के कलाकार अपने कला को प्रदर्शन कर रहे हैं और श्रोताओं-दर्शकों को यह खासा भा भी रहा है। बांदा के कलाकार-

सांस्कृतिक मंचों पर प्रस्तुत किये गए विविध कार्यक्रम

रामकिशन ने पाई डंडा-नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी।

किला चौराहा कला-मंच, अक्षयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर बुधवार को अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रयागराज के सतरंजय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कलेज कला-मंच, लोप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर प्रयागराज के संतोष कुमार ने



कजरी होली लोक गीत प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी तो गाजीपुर के सुनील कुमार के लोकनृत्य को खूब सराहना मिली। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरैल सेक्टर 19 कला-मंच और बल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर लखनऊ के अवतार सिंह एंड ग्रुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। बैंक चौराहा कला-मंच, सिविल लाइंस बस स्टप कला-

मंच और पथर वाला चर्च कला-मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशन ने पाई डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। उनके बाद लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने समा बांध दिया। बालसन चौराहा कला-मंच, इंदिरा मूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष चौराहा कला-मंच पर आज पंथा, उत्तर प्रदेश के धर्मपाल सिंह ने नाटक का मंचन किया। उनके बाद बिहार के कन्हैया कुमार झा ने अपनी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली। विश्वविद्यालय तिराहा कला-मंच और राजपुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर श्रोताओं ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना। लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय ने नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को प्रभावित किया। हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरस्वती घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जंक्शन कला-मंच पर लखनऊ के लोक रंग फाउंडेशन के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कठपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

दैनिक समाचार पत्र

चेतना विचारधारा



सांस्कृतिक मंचों ने दर्शकों का किया भरपूर मनोरंजन

प्रयागराज (इलाहाबाद): प्रयागराज शहर में स्थित सांस्कृतिक मंचों पर रोज़ की तरह कुमार को भी कलाकारों की धूम रही। शहर के सभी 20 मंचों पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ सुवारु रहीं और दर्शक-दीर्घि से उड़े पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। किला चौराहा कला-मंच, अक्षयट मव के निकट स्थित कला-मंच और भारदाज मव के निकट स्थित कला-मंच आदी के समेत श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रयागराज के सरतंजय कट्ठुपुतली दल ने कट्ठुपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। केपी इंटर कॉलेज कला-मंच, लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर प्रयागराज के सतोष कुमार ने कजारी

होली लोक गीत प्रस्तुत किया।

इसी तरह गानीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लुटी। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच और सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभादार्य मोड़ कला-मंच पर लखनऊ के अवारा सिंह एंड युग्म ने लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। दैक चौराहा कला-मंच, सिविल लाइंस बस स्टॉप कला-मंच और पत्थर गिरजाघर कला-मंच पर बांदा के कलाकार रामकिशन ने पाई डडा नृत्य प्रस्तुत किया। लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने सभा बाँध दिया, बालसन चौराहा कला-मंच, इन्द्रमूर्ति चौराहा कला-मंच और सुभाष

चौराहा कला-मंच पर पथा, उत्तरांदेश के घर्मपाल सिंह ने नाटक का मन मन किया। वही बिहार के कहने वाले कुमार ज्ञा ने आगी जादू की प्रस्तुति से महफिल लूट ली। विविविवाय तिराहा कला-मंच और राजपुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच दर्शकों ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिहू सुना। लखनऊ के नाटककर सुन रख ने एक नाटक का मन किया जिसमें दर्शकों को कम्फी दद तक प्रभावित किया। हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरसवारी घाट-भींडी बिज कला-मंच और प्रयागराज जैसम कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक संग्रहालय के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। बिहार के मनीष कुमार सिंह ने कट्ठुपुतली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

પ્રયાગરાજ, ગુરુવાર, 31 જન્બરી, 2019

परख सच की

प्रयागराज, गुजरात, 31 जनवरी, 2019

जनसंदेश टाइम्स

परख सच व



प्रयागराज गुरुवार 31 जनवरी 2018

सांस्कृतिक मंचों पर रही कलाकारों की धूम

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। शहर में स्थित यमकुंड-
मनोरंग पर रोज़ की तरह बुधवार का
कलाकारों की धूम रही। शहर के 20
मन्दिरों पर संस्कृतीकृत गतिशील
सुचारा रही और चौथाई-दीर्घी से उत्तर
समर्पण प्राण हुआ। किला चौराहा का
मंच, अश्वघोष मंच के निकट स्थित
कला-मंच और भास्तुरी मंच के निकट
स्थित कला-मंच पर आज जाति-जाति
रमेश श्रीबासवन ने जानू का कार्यक्रम
प्रस्तुत किया, प्रयागराज के सतरंग
कपुरुषी दर्शन के कठपुत्री का खेल
दिखाए कर द्वितीय काले भास्तुरी
किला। पैकी ईराक काली कला-मंच
लेप्रोसी मिशन चौराहा कला-मंच और
हाथी पार्क कला-मंच पर आज
प्रयागराज के संस्कृत कुराम ने कठपुत्री
हाली लोक का प्रस्तुत किया, जागीराम
कला ने लोककृता का प्रतिष्ठान
कर दर्शकों की वाहनी की दृढ़ी। संकृति
ग्राम चौराहा कला-मंच, अरेल सेक्टर
19 कला-मंच और बल्लभाराचार्य मोड़



कजारी होली गीत प्रस्तुत करते संतोष कमार व टीम



कठपुतली चत्य प्रसन्न करते मनीष कमार शिव

ने एक जाटक का मंचन किया जिसमें दलालों को काही हड तक प्रशंसन किया, हीरालाला इलवारी कला-मंच, सरसवी थापौंडी भिज कला-मंच और प्रशान्नगार जवहरन कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक गंगा फाउंडेशन के कालकारों ने लोक की प्रसन्नति दी। उनके उपरान्त विदार के मंचीय कुमार सिंह ने कटुपुली का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसे लोकों ने बहुत प्रसंग दिया।

आमरउजाला



लघुमंचः कलाकार हैं, लेकिन देखने वाले नहीं कुंभ के दौरान लोककलाओं के प्रचार को बनाए गए 20 अस्थायी मंच, गिनेचुने दर्शक ही हैं पहुंचते

अमित सिंह



इन स्थानों पर बने लघुमंच

प्रयागराज। कुंभ के दौरान 'देश-दुनिया से आने वाले ब्रह्मातुओं को भारतीय संस्कृति से परिचंत कराने के लिए पूरे शहर में 20 अस्थायी लघुमंच स्थापित किए हैं। इन मंचों पर कलाकार तो दिखते हैं, लेकिन दर्शक नहीं मिल रहे। इससे कलाकारों का मनोबल तो गिर रहा है, मेंते की व्यापकता के लिए प्रशासन द्वारा की गई कवायद पर भी पानी पिर रहा है। भारतीय लोककला महासंघ अध्यक्ष का कहना है कि मंचों की स्थापना सही जगह न होने से कलाकारों को निराश होना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार लोककलाओं को बचाने और कुंभ के दौरान उनका प्रचार-प्रसार करने के लिए सारकृतिक विभाग ने शहर के 20 प्रमुख स्थानों पर लघुमंच स्थापित किए

रीवा-मिजापुर-प्रयाग, गोदावारी, किंडगज, प्रदर्शनी स्थल, किला चौराहा, हाईकोर्ट, धूमगंज रोड, दरभंगा चौराहा से कुंभ मेला, सिविल लाइस पथ्य परिजाताय, बारासन चौराहा, जानसेनगंज चौराहा, खुसरोबाग, पुराना किला, लोकसेवा आगांग, सोहनगंगा बाबाग, मानसरोवर सिनेमा चौराहा, श्रीनवारिंदी रोड चौराहा, अरेल, कानपुरे रोड, द्रैफिक चौराहा, बहुगुणा चौराहा।

इन मंचों को देखकर ऐसा लगता है कि प्रशासन ने केवल मेलों का फैलाव दिखाने के लिए इसे स्थापित किया है। मंचों का निरायण करते वक्त हड्डबड़ी न करते हुए थोड़ा और सुझबूझ दिखाने की ज़रूरत थी। अधिकार नंबर रोड के बगल ही स्थापित हैं, चलते-चलते थोड़ी कांड कार्यक्रम देखता है। कलाकारों में निराशा स्थापित है। अनूल यदुवर्णी (अध्यक्ष भारतीय लोककला महासंघ)

कलाकार दर्शकों की कम संख्या से निराश होते हैं। कभी कभी ऐसा भी होता है कि कुछ दर्शकों में ही पूरा कार्यक्रम समाप्त हो जाता है। हड्डिया के अनुग नारायण हड्डिया के निवासी हैं, इनकी सरस्वती लोकसंगीत पार्टी है। अनुग ने बताया कि रोड के बगल मंच होने से दर्शक रुकते नहीं हैं बल्कि चलते हुए देख कर निकल जाते हैं।

तापिशा मिरर

प्रयागराज, गुरुवार 31 जनवरी, 2019

3

संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक मंचों पर प्रस्तुत किये गए कार्यक्रम

प्रयागराज। शहर में स्थित सांस्कृतिक मंचों पर रोज़ की तरह आज भी कलाकारों की धूम रही। शहर के सभी 20 मंचों पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ सुचारु रहीं और दशक-दीर्घ से उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। किला चौराहा कला-मंच, अश्वयवट मंच के निकट स्थित कला-मंच और भारद्वाज मंच के निकट स्थित कला-मंच पर आज अमेठी के रमेश श्रीवास्तव ने जादू का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

प्रयागराज के सतर जय कठपुतली दल ने कठपुतली का खेल दिखा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कैपी इंटर कॉलेज कला-मंच, लोगोंस मिशन चौराहा कला-मंच और हाथी पार्क कला-मंच पर आज प्रयागराज के संसोध कुमार ने कंजी होली लोक गीत प्रस्तुत किया। गाजीपुर के सुनील कुमार ने लोकनृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों को बाहवाही लूटी। संस्कृति ग्राम चौराहा कला-मंच, अरेल सेक्टर 19 कला-मंच और वल्लभाचार्य मोड़ कला-मंच पर आज लखनऊ के अवतार सिंह एंड मुप ने लोकनृत्य की प्रस्तुति



दी। उनके बाद लखनऊ की ही कलाकार नीलम पांडेय के लोकगीतों ने दर्शकों का मन मोह लिया। वैकं चौराहा कला-मंच, सिविल लाईस बरस स्टॉप कला-मंच और पथर बाला चर्च कला-मंच पर आज बाद के कलाकार रामकिशन ने पांड डंडा नृत्य प्रस्तुत किया। उनके बाद लखनऊ की कलाकार बिना के लोक गीतों ने समा बैंध दिया।

बालसन चौराहा कला-मंच, लखनऊ के नाटककार सुब्रत राय

ने एक नाटक का मंचन किया जिसने दर्शकों को काफी हद तक प्रभावित किया।

हीरालाल हलवाई कला-मंच, सरसवी घाट-नैनी ब्रिज कला-मंच और प्रयागराज जवाहन कला-मंच पर आज लखनऊ के लोक महफिल लूट ली। विष्वविद्यालय तिहां कला-मंच और राजापुर ट्रैफिक चौराहा कला-मंच पर आज दर्शकों ने प्रयागराज के सत्यप्रकाश पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना।

पटेल ने लोक गीत बिरहा सुना।

'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका देख दर्शक हुए भावविभोर

प्रयागराज। दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ की परिकल्पना को साकृति करने के कम में संसारे विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संस्ति कुम्भ में बुधवार की राम महाविर मार्ग स्थित अश्वयवट मंच पर 'ब्रज बाँसुरी' नृत्य नाटिका की भावपूर्ण प्रस्तुति किया। मंच में आये प्रशंसनीयों को भगवान् कृष्ण के विभिन्न रूपों एवं लीलाओं को प्रस्तुत कर ममुग्ध कर दिया। प्रस्तुति में 40 युवा कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य नाटिका का निर्देशन अंतर्राष्ट्रीय लोक गायिका बंदना ने किया।

श्रीमती बंदना ने बताया कि इससे पूर्व इस नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देश के विभिन्न राज्यों सहित नेपाल एसाउथ कोरिया ए भूटान ए दुबई ए मरीशस आदि जगहों पर भी हो चुकी है। इसी क्रम में भाहसदाबाद से आये संजेन्द्र रावल्स ने करवानो नृत्य एवं बलिया से आय गोपाल राय ने भोजपुरी भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

श्रीमती बंदना ने बताया कि इससे पूर्व इस नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देश के विभिन्न राज्यों सहित नेपाल एसाउथ कोरिया ए भूटान ए दुबई ए मरीशस आदि जगहों पर भी हो चुकी है। इसी क्रम में भाहसदाबाद से आये संजेन्द्र रावल्स ने करवानो नृत्य एवं बलिया से आय गोपाल राय ने भोजपुरी भक्ति गीत प्रस्तुत किया।